भारतीय दूतावास
तेल अवीव

<u>प्रेस विज्ञप्ति</u>

भारतीय प्रधान मंत्री के शीघ्र ही प्रत्याशित इज़राइल दौरे से पहले भारत से प्रथम आधिकारिक संसदीय शिष्टमंडल ने संसदीय कार्य तथा कृषि और किसान कल्याण राज्य मंत्री, श्री एस.एस. अहलुवालिया के नेतृत्व में, 4-5 जून, 2017 के दौरान इज़राइल का दौरा किया। श्री अहलूवालिया के अलावा लोकसभा और राज्य सभा से 9 राजनैतिक दलों का प्रतिनिधित्व करने वाले 10 संसद सदस्य भी शिष्टमंडल में शामिल थे।

4 जून को इज़राइली संसद (नेसेट) के अध्यक्ष, श्री युली एडेलस्टेन के साथ अपनी बैठक में, दोनों देशों के बीच, विशेषकर भारत और इज़राइल जैसे उत्साह से भरपूर लोकतंत्रों के बीच, संबंधों के सृजन में संसद की महत्वपूर्ण भूमिका पर विचारों का आदान-प्रदान किया गया। राज्य मंत्री अहलुवालिया और अध्यक्ष एडेलस्टेन ने ऐसे आतंकवाद के खतरे से मुकाबला करने हेतु साथ मिलकर काम करने के लिए दोनों देशों की जरूरत पर सहमति जताई जिससे दुनिया भर के देश पीड़ित हैं। राज्य मंत्री अहलुवालिया ने अध्यक्ष एडेलस्टेन को भारत की यात्रा के लिए आमंत्रित भी किया। शिष्टमंडल को 4 जून को इज़रायल के विदेश मंत्रालय के राजनीतिक निदेशक द्वारा द्विपक्षीय संबंधों पर भी संक्षिप्त जानकारी दी गई।

शिष्टमंडल के याद वास्हेम, येरूशलेम में होलोकॉस्ट मेमोरियल संग्रहालय के दौरे के पश्चात, मंत्री अहलुवालिया ने लिखा कि "संग्रहालय सहिष्णुता का एक जीवंत उदाहरण है और भावी पीढ़ियों के लिए एक चेतावनी है कि ऐसी घटनाओं को कभी भी मानव इतिहास में जगह नहीं मिलनी चाहिए।"

शिष्टमंडल ने 5 जून को कई स्थलों का दौरा किया ताकि वे उस प्रौद्योगिकी से परिचित हो सकें जिसने दुनिया में इज़रायल को प्रसिद्ध बनाया है। इनमें स्वायत्त कार टेक्नोलॉजी कंपनी "मोबिलिए" का दौरा भी शामिल था जिसे हाल ही में 15 अरब डॉलर से अधिक में इंटेल द्वारा खरीदा गया है। इज़राइल अब स्वायत्त कार प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में अनुसंधान और विकास का केंद्र बन चुका है। शिष्टमंडल ने किबबुत्ज़ नांदन जैन में सटीक खेती के लिए जल संबंधी नवीनतम समाधानों का भी अवलोकन किया और तेल अवीव के दक्षिण में स्थित सोरेक में इज़राइल के सबसे बड़े जल विलवणीकरण संयंत्र का भी दौरा किया। शिष्टमंडल ने नेसेट के एक पूर्ण सत्र को भी देखा और 5 जून को नेसेट के कुछ अन्य सदस्यों के साथ विचारों का एक लाभप्रद आदान प्रदान किया।